भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1311
जिसका उत्तर बृहस्पतिवार, 05 मई, 2016 को दिया जाना है।

राष्ट्रीय ऑटोमोटिव परीक्षण और अनुसंधान एवं विकास अवसंरचना परियोजना के अंतर्गत परियोजनाओं की प्रगति

1311. श्री आयनुर मंजूनाथः

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान राष्ट्रीय ऑटोमोटिव परीक्षण और अनुसंधान एवं विकास अवसंरचना परियोजना के अंतर्गत परियोजनाओं की प्रगति का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या परियोजना की पूरा होने की तारीख को गत वर्षों में बढ़ाया गया है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(घ) राष्ट्रीय ऑटोमोटिव परीक्षण और अनुसंधान एवं विकास अवसंरचना परियोजना के अंतर्गत वर्तमान में प्रदान की जा रही सुविधाओं का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) राष्ट्रीय ऑटोमोटिव परीक्षण और अनुसंधान एवं विकास अवसंरचना परियोजना के अंतर्गत अभिकल्पित सभी सुविधाओं, जो योजना के विभिन्न चरणों में हैं, का ब्यौरा क्या है और इनके प्रारंभ होने की संभावित समय-सीमा क्या है?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री जी. एम. सिद्देश्वर)

(क): ब्यौरा अनुबंध-I में दिया गया है।

(ख) और (ग): जी, हां। परियोजना का विस्तार करने के कारण संलग्न अनुबंध-II में दिए गए हैं।

(घ) और (ङ): ब्यौरा अनुबंध-III में दिया गया है।

*****

अनुबंध-I

गत तीन वर्षों तथा चालू वर्ष के दौरान राष्ट्रीय ऑटोमोटिव परीक्षण एवं अनुसंधान और विकास अवसंरचना परियोजना (नेट्रिप) के तहत हुई प्रगति तथा अभी तक हुई प्रगति के आधार पर पूरे हुए कार्यों का ब्यौरा

सुविधा	एआरएआई पुणे	आईकैट मानेसर	जीएआरसी चेन्नई	नेट्रेक्स इंदौर
पेसिव सेफ्टी लैब	पूरा किया गया।	नवंबर, 2016	सितम्बर, 2017	लागू नहीं।
ईएमसी लैब	लागू नहीं।	मई, 2016	मार्च, 2017	लागू नहीं।
पावरट्रेन लैब	पूरा किया गया।	पूरा किया गया।	मई, 2017	पूरा किया गया।
फटीग और प्रमाणन लैब	पूरा किया गया।	पूरा किया गया।	पूरा किया गया।	लागू नहीं।
परीक्षण ट्रैक्स	लागू नहीं।	दिसम्बर, 2017	अप्रैल, 2016	एचएसटी – जून, 2019 ओटीटी – दिसम्बर, 2017
वाहन गतिशीलता लैब	लागू नहीं।	लागू नहीं।	लागू नहीं।	पूरा किया गया।
शोर, कंपन और कठोरता लैब	लागू नहीं।	अगस्त, 2016	लागू नहीं।	लागू नहीं।

नेट्रिप परियोजना का विस्तार करने के कारण

सीसीईए द्वारा 21 मई, 2015 को नेट्रिप परियोजना का विस्तार दिसंबर, 2017 तक किया गया है। नेट्रिप परियोजना ने भारत में इस तरह की सुविधाओं को स्थापित करने में विशेषज्ञता एवं कुशल जनशक्ति की कमी के कारण बहुत सी कठिनाइयों का सामना किया। नेट्रिप की धीमी प्रगति के कुछ प्रमुख कारण नीचे दर्शाए गए हैं:

(क). सार्वभौम परामर्शदाता मैसर्स आईडीआईएडीए की 2009 से अनुपलब्धता। निविदाओं को विभाजित कर कई छोटी-छोटी निविदाओं में तब्दील करने की वजह से आईडीआईएडीए ने सुविधाओं और समेकन मुद्दों की संकल्पना जिस तकनीकी विवरण के आधार पर की थी, उसके लिए तकनीकी अभिकल्पना आवश्यक थी, जिसके फलस्वरूप कई सारे तकनीकी मुद्दे परियोजना के आड़े आए।

(ख). देश में नेट्रिप के अंतर्गत अनुबंध प्रबंधन, योजनाबद्ध सुविधाओं की स्थापना एवं प्रारंभण में विशेषज्ञता एवं प्रशिक्षित तथा उपलब्ध कुशल जनशक्ति का अभाव। नेट्रिप की परिकल्पना पीआईयू (परियोजना कार्यान्वयन इकाई) तथा जीसी के रूप में की गई थी क्योंकि पीआईबी (परियोजना कार्यान्वयन बोर्ड) सार्वभौम परामर्शदाता के साथ सुविधाओं के निष्पादन एवं प्रारंभण के लिए डिजाइन से संकल्पना तक सभी तकनीकी इन्पुट्स प्रदान कर रहा है। इस प्रकार, नेट्रिप जनशक्ति के संदर्भ में अभावग्रस्त संगठन बना हुआ है।

(ग). संपूर्ण परियोजना अवधि के लिए नेट्रिप के शीर्ष अधिकारियों सहित जनशक्ति को सतत बनाए रखने का अभाव। लंबी समयावधि के लिए सीईओ एवं पीडी, निदेशक (तकनीकी) तथा निदेशक (वित्त) न होने की वजह से परियोजना की धीमी प्रगति हुई। सीईओ एवं पीडी का नियमित पद अक्तूबर, 2007- अप्रैल, 2009 और जनवरी, 2011 से दिसम्बर, 2012 तक रिक्त रहा, निदेशक वित्त का पद मई, 2009 से अक्तूबर, 2013 तक रिक्त रहा, निदेशक तकनीकी का पद जून, 2009 से रिक्त है। तथापि, निदेशक (आईकैट) को अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। ऑटो उद्योग की तुलना में कर्मचारियों को कम वेतन दिए जाने की वजह से कई बार विज्ञापन दिए जाने के बावजूद कई अन्य पद भी नेट्रिप में रिक्त पड़े हैं। ये परियोजना अपने-आप में अस्थायी प्रकृति की हैं और सरकार से प्रतिनियुक्ति पर आए अधिकारियों को छोड़कर सभी पदों की प्रकृति संविदात्मक है। संविदात्मक पदों की अवधि भी परियोजना अवधि के बराबर होती है। जिसका समय-समय पर विस्तार किया गया है। लेकिन, इस प्रक्रिया में निहित अनिश्चितताओं की वजह से परियोजना के कई सक्षम और प्रशिक्षित अधिकारी आकर्षित होकर निजी क्षेत्र में चले गए हैं।

(घ). सिविल और उपकरण ठेकेदारों केसाथ संविदात्मक मुद्दे - बहुत सारे संविदाओं में तकनीकी मुद्दों के समाधान और समेकन में विलंब के परिणामस्वरूप परियोजना विलंब और संविदात्मक विवाद।

(ङ). संशोधित लागत प्राक्कलनों-II के अनुमोदन में विलंब, जिसकी प्रक्रिया नेट्रिप में संशोधित लागत प्राक्कलन-I के लिए अप्रैल, 2011 में अनुमोदन मिलने की शीघ्र पश्चात् जुलाई, 2012 में शुरू हो गई थी।

(च). बाधाओं तथा आवश्यक क्लीयरेंस मिलने में देरी की वजह से नेट्रिप के विभिन्न स्थलों पर भू-अधिग्रहण में विलंब।

अनुबंध-III

नेट्रिप के तहत ऑटोमोटिव परीक्षण एवं प्रत्यायन सुविधाओं तथा प्राप्त उपलब्धियों और पूरे हो गए कार्यों का (राज्य-वार) ब्यौरा

सुविधा	वीआरडीई अहमदनगर	एनआईएआईएमटी सिल्चर	एनसीवीआरएस रायबरेली	एआरएआई पुणे	आईकैट मानेसर	जीएआरसी चेन्नई	नेट्रेक्स इंदौर
पेसिव सेफ्टी लैब	लागू नहीं।	लागू नहीं।	लागू नहीं।	पूरा किया गया।	नवंबर, 2016	सितम्बर, 2017	लागू नहीं।
ईएमसी लैब	पूरा किया गया।	लागू नहीं।	लागू नहीं।	लागू नहीं।	मई, 2016	मार्च, 2017	लागू नहीं।
पावरट्रेन लैब	लागू नहीं।	लागू नहीं।	भूमि अधिग्रहण के 24 माह पश्चात्	पूरा किया गया।	पूरा किया गया।	मई, 2017	पूरा किया गया।
फटीग और प्रमाणन लैब	लागू नहीं।	लागू नहीं।		पूरा किया गया।	पूरा किया गया।	पूरा किया गया।	लागू नहीं।
परीक्षण ट्रैक्स	पूरा किया गया।	पूरा किया गया।		लागू नहीं।	दिसम्बर, 2017	अप्रैल, 2016	एचएसटी – जून, 2019 ओटीटी – दिसम्बर, 2017
मॉडल आई एंड एम मैकेनिक्स प्रशिक्षण केन्द्र	लागू नहीं।	पूरा किया गया।	लागू नहीं।	लागू नहीं।	लागू नहीं।	लागू नहीं।	लागू नहीं।
वाहन गतिशीलता लैब	लागू नहीं।	लागू नहीं।	लागू नहीं।	लागू नहीं।	लागू नहीं।	लागू नहीं।	पूरा किया गया।
शोर, कंपन और कठोरता लैब	लागू नहीं।	लागू नहीं।	लागू नहीं।	लागू नहीं।	अगस्त, 2016	लागू नहीं।	लागू नहीं।
दुर्घटना आंकड़ा विश्लेषण केन्द्र	लागू नहीं।	लागू नहीं।	पूरा किया गया।	लागू नहीं।	लागू नहीं।	लागू नहीं।	लागू नहीं।